एक नजर में

री-ईकेवाईसी में जिला मध्य प्रदेश में अव्वल

गुना। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक पारदर्शी और सुदृढ़ बनाने के लिए शुरू किए गए री-ईकेवाईसी अभियान में गुना जिले ने पूरे मध्य प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। शासन द्वारा स्मार्ट पीडीएस के तहत चलाए जा रहे इस अभियान में गुना जिला उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश में सबसे आगे निकल गया है। जिले में कुल 2,22,811 उपभोक्ताओं के मुकाबले अब तक 1,12,811 लोगों की री-ईकेवाईसी का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। जिला अब तक अपने कुल लक्ष्य का 50.74 प्रतिशत काम पूरा कर चुका है, जो प्रदेश के अन्य सभी जिलों में सर्वाधिक है। खाद्य विभाग और जिला प्रशासन ने शेष बचे उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे जुलाई 2026 की निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने परिवार के सभी सदस्यों की री-ईकेवाईसी का काम अनिवार्य रूप से पूरा करा लें।

गुना कलेक्ट्रेट में 320 आवेदनों पर हुई सुनवाई

गुना। जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में आज कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सीमांकन, बिजली, पेंशन, नामांतरण और स्वास्थ्य से जुड़े कुल 320 आवेदन प्राप्त हुए। इस बार जनसुनवाई में राजस्व और पंचायत विभाग की संयुक्त टीम को एक साथ बैठाया गया था। इस प्रभावी व्यवस्था के चलते दोनों विभागों से जुड़ी कई शिकायतों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। कलेक्टर के निर्देश पर कलेक्ट्रेट परिसर में नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं भी प्रदान की गईं। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए।

नवभारत स्टिंग : सरहद पार से आ रहा 'सफेद मौत' का सैलाब

तस्करों का सीक्रेट जाल : कोडनेम 'सफेद बादशाह' से लेकर 'टिकट' का पूरा खेल

फतेहगढ़ बना नशेड़ियों का नया 'कंट्रोल रूम'

नवभारत न्यूज

गुना 14 जुलाई का। राजस्थान की सीमा से सटे मध्य प्रदेश के सीमांत क्षेत्र फतेहगढ़ में इन दिनों 'सफेद जहर' (स्मैक और सिंथेटिक ड्रग्स) का कारोबार बेहद भयावह रूप अख्तियार कर चुका है। नवभारत द्वारा किए गए एक बड़े और गोपनीय स्टिंग ऑपरेशन में यह सनसनीखेज सच सामने आया है कि फतेहगढ़ की फिजां में खुलेआम 'मौत का यह सामान' घोला जा रहा है।

हैरान करने वाली बात यह है कि सरहद पार से चल रहे इस इतने बड़े सिंडिकेट और अंतरराष्ट्रीय-अंतरराज्यीय नेटवर्क के बावजूद स्थानीय फतेहगढ़ पुलिस की आंखें बंद हैं और उसके हाथ अब भी खाली हैं। इस प्रशासनिक बेरुखी की भारी कीमत यहां का बचपन और युवाओं की पूरी पीढ़ी अपनी जिंदगी बर्बाद करके चुका रही है। इस अवैध काले कारोबार को पुलिस और कानून की नजरों से महफूज रखने के लिए अंतरराज्यीय तस्करों और स्थानीय पैडलर्स ने बकायदा एक शातिर नेटवर्क और 'कोडवर्ड डिक्शनरी' तैयार कर रखी है। हमारे स्टिंग के दौरान नशे की गर्त में डूब चुके एक युवक ने कैमरे पर तस्करों के पूरे तौर-तरीकों का पदार्फाश किया है-

स्मैक: इस जानलेवा पाउडर को तस्करों और नशेड़ियों के बीच 'पन्नी' या 'सफेद बादशाह' के नाम से कोड किया जाता है।

गांजा: इसे खुले बाजार में कोडनेम 'पत्ती' या 'पुड़िया' कहकर बेचा और खरीदा जाता है।

नशे के इंजेक्शन: रासायनिक मिश्रण वाले इन खतरनाक इंजेक्शन्स को 'डोज' या 'सिरींज' कहा जाता है।

डोज की खुराक: नशे की तय मात्रा या पुड़िया को 'पर्ची' या 'टिकट' के नाम से मांगा जाता है।

गोगो: स्मैक का कश खींचने के लिए इस्तेमाल होने वाले इस विशेष यंत्र को किसी गुप्त वस्तु की तरह नहीं, बल्कि पान की गुमठियों और छोटी किराना दुकानों पर चिप्स-बिस्कुट की तरह बेहद आसानी से काउंटर के नीचे से उपलब्ध कराया जा रहा है।

20 रुपए का एविल इंजेक्शन 200 में, जानलेवा कॉकटेल का क्रेज

स्टिंग ऑपरेशन में जो सबसे खतरनाक पहलू सामने आया है, वह है क्षेत्र में सक्रिय कुछ अवैध और बिना लाइसेंस वाले मेडिकल स्टोर्स की भूमिका, जो इस पूरे ड्रग नेटवर्क की मुख्य रीढ़ बने हुए हैं। सामान्य तौर पर एलर्जी के लिए इस्तेमाल होने वाला महज 20 रुपये की कीमत का एविल इंजेक्शन, यहां बिना किसी डॉक्टर के पर्चे के धड़ल्ले से 200 रुपये की मोटी रकम में ब्लैक किया जा रहा है। आजकल फतेहगढ़ और आसपास के ग्रामीण युवाओं में स्मैक के साथ इस एविल इंजेक्शन और अन्य घातक ड्रग्स को मिलाकर एक जानलेवा कॉकटेल मिश्रण बनाने का क्रेज तेजी से बढ़ा है। यह केमिकल कॉकटेल सीधे युवाओं के सेंट्रल नर्वस सिस्टम पर हमला कर रहा है, जो उनकी मानसिक स्थिति को अपंग बना रहा है। चूंकि फतेहगढ़ सीधे राजस्थान की सीमा से जुड़ा हुआ है, इसलिए बॉर्डर पार के ड्रग सप्लायर बिना किसी रोक-टोक के महज कुछ मिनटों में माल की खेप इधर से उधर कर देते हैं।

सरकारी खंडहरों से लेकर पठार तक फैला साम्राज्य

नवभारत की खोजी टीम ने जब नशे की लत से जूझ रहे स्थानीय युवाओं और सूत्रों से बात की, तो फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के कई बड़े और पक्के ठिकानों के नाम खुलकर सामने आए, जहां चौबीसों घंटे मौत का यह सामान बिक रहा है। इन ठिकानों में मुख्य रूप सेफतेहगढ़ पठार का इलाका, ऐतिहासिक किला रोड, मंगरोड़ा क्षेत्र, चक चुरोलिया (थाना क्षेत्र), बिलोदा गांव और आसपास का इलाका शामिल हैं। इन इलाकों में स्थित कई सुनसान सरकारी भवन, आधे अधूरे बने निजी मकान और वीरान खंडहर अब आम नागरिकों के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र बन चुके हैं, क्योंकि ये जगहें अब सिर्फ और सिर्फ खूंखार नशेड़ियों के सुरक्षित अड्डों में तब्दील हो चुकी हैं।

इनका कहना है

फतेहगढ़ थाना क्षेत्र में स्मैक बिकने की सूचना मिली है। थाना प्रभारी को निर्देश दिए गए हैं कि गिरोह और संबंधित व्यक्तियों को पकड़ें और सख्त कार्रवाई करें। पुलिस नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत गुना में भी लोगों को जागरुक कर रही है कि वे नशे से दूर रहें। अगर कहीं इस तरह के मादक पदार्थ बिकते हुए पाए जाते हैं तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

प्रशांत सिंह सुमन, एडिशनल एसपी, गुना

हर वक्त देना होता है पहरा

इस सूखे जहर की लत ने न सिर्फ युवाओं का शरीर खोखला किया है, बल्कि पूरे फतेहगढ़ क्षेत्र के सामाजिक माहौल को एक अभिशाप की तरह जकड़ लिया है। नशे की खुराक के लिए पैसे जुटाने की खातिर ये युवा किसी भी हद तक जाने को आमादा हैं, जिसके कारण क्षेत्र में छोटी-मोटी चोरियों और लूटपाट की घटनाओं में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है। फतेहगढ़ इलाके के एक पीड़ित किसान ने अपनी बेबसी जाहिर करते हुए बताया क्षेत्र में नशाखोरी और इन नशेड़ियों का आतंक इतना बढ़ गया है कि हम दिन के उजाले में भी अपने खेत को एक घंटे के लिए सूना नहीं छोड़ सकते। कुएं से पानी खींचने वाली मोटर, बिजली के केबल, खड़ी फसलें और छोटे-छोटे कृषि उपकरणों की चोरियां अब रोज की बात हो चुकी हैं। टोकने पर ये मरने-मारने पर उतारू हो जाते हैं। फतेहगढ़ इस पूरे अंचल का एक प्रमुख व्यापारिक और नगरीय केंद्र माना जाता है, जहां हर दिन हजारों लोगों की आवाजाही होती है। लेकिन इन दिनों बाजारों और रास्तों पर ये नशाखोर राहगीरों से अकारण ही उलझ जाते हैं और पैसों के लिए उन पर जानलेवा दबाव बनाते हैं। यदि जिला प्रशासन, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और नारकोटिक्स सेल ने इस सीमावर्ती नेक्सस को ध्वस्त करने के लिए तुरंत कोई बड़ा सर्जिकल एक्शन नहीं लिया, तो फतेहगढ़ के रास्ते आ रहा यह सफेद जहर पूरे जिले की एक समूची पीढ़ी को पूरी तरह तबाह कर देगा।

चाकरी और छिकारी गांव में वन भूमि को लेकर बढ़ा तनाव

गुना। जिले के ग्राम चाकरी और छिकारी के बीच वन भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर चल रहा पुराना विवाद एक बार फिर गहरा गया है। मंगलवार को ग्राम चाकरी के बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और प्रशासन को आगाह किया कि यदि समय रहते छिकारी गांव के लोगों द्वारा की जा रही वनों की अवैध कटाई को नहीं रोका गया, तो दोनों पक्षों के बीच दोबारा बड़ा खूनी संघर्ष हो सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि वन भूमि पर कब्जे को लेकर दोनों गांवों के बीच पहले भी जमकर संघर्ष हो चुका है, जिसमें छिकारी गांव के एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस मामले में जेल गए आरोपी अब जमानत पर बाहर आ चुके हैं और जेल से छूटते ही उन्होंने दोबारा वन भूमि पर अवैध रूप से पेड़ काटना और कब्जा करने का प्रयास शुरू कर दिया है। चाकरी के ग्रामीणों का आरोप है कि छिकारी के लोग जबरन माहौल बिगाड़ रहे हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस संवेदनशील मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर अवैध कटाई रोकी जाए, अन्यथा किसी भी अप्रिय स्थिति के लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा।

एसयूसीआई का जोरदार प्रदर्शन : निजीकरण और स्मार्ट मीटर का विरोध

गुना। केंद्र व राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एसयूसीआई ने हनुमान चौराहे पर राज्यव्यापी विरोध दिवस के तहत उग्र प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कैबिनेट द्वारा गुना, देवास और रीवा के 18 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को निजी हाथों में सौंपने के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई गई। इसके बाद रैली निकालकर कलेक्ट्रेट में ज्ञापन दिया गया।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पार्टी के जिला सचिव मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार टैक्स वसूलने के बाद भी स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाओं को कॉर्पोरेट घरानों को सौंपकर मुनाफाखोरी को बढ़ावा दे रही है। निजीकरण से गरीब और मध्यम वर्ग के लिए इलाज कराना असंभव हो जाएगा। पार्टी नेताओं ने बिजली कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं पर जबरन स्मार्ट मीटर लगाने का दबाव बनाने और बिजली काटने की कार्रवाई का भी पुरजोर विरोध किया गया। ट्रेड यूनियन नेता नरेंद्र भदौरिया ने चेतावनी दी कि डरा-धमकाकर स्मार्ट मीटर लगाने की कोशिश का जनता एकजुट होकर करारा जवाब देगी। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने गुना के बूढ़े बालाजी और सकतपुर रोड पर दूषित पानी व बदहाल सड़कों की समस्या उठाई गई। शोभना श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रदेश में बढ़ती नशाखोरी और महिलाओं व बच्चियों के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर सरकार को जमकर घेरा।

गढ़ा में 4 महीने से पानी को तरस रहे ग्रामीण, जनसुनवाई में उग्र रुख

गुना। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती ग्राम गढ़ा में पिछले चार महीनों से गहराया पेयजल संकट थमने का नाम नहीं ले रहा है। गांव में नल-जल योजना ठप होने के कारण ग्रामीणों को गर्मी और उमस के बीच दो किलोमीटर दूर से पानी ढोने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या से आक्रोशित होकर मंगलवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जनसुनवाई में गुहार लगाई।

जनसुनवाई में पहुंची महिलाओं के चेहरों पर प्रशासन की बेरुखी को लेकर भारी आक्रोश साफ नजर आ रहा था। महिलाओं ने अधिकारियों के समक्ष अपनी पीड़ा रखते हुए कहा कि पानी के इंतजाम में ही उनका पूरा दिन निकल जाता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि जल्द ही पेयजल सप्लाई की व्यवस्था दुरुस्त करवा दी जाएगी। हालांकि, महिलाओं ने दो टूक शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा अगर कलेक्टर साहब के आश्वासन के बाद भी हमारी समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो हम अपनी बात को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए विवश होंगे। यह पहला मौका नहीं है जब ग्रामीणों ने पानी के लिए आवाज उठाई है। ठीक 15 दिन पहले भी पानी की किल्लत से परेशान ग्रामीणों ने गुना-झागर मार्ग पर चक्काजाम कर दिया था। उस समय मौके पर पहुंचे तहसीलदार ने जल्द व्यवस्था सुधारने का भरोसा देकर जाम खुलवाया था। लेकिन पखवाड़े भर बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया।

पंचायती को सौंपी जाए नल-जल व्यवस्था

ग्रामीणों ने इस पूरी अव्यवस्था का मुख्य कारण नल-जल योजना के संचालन को बताया है। ग्रामीणों की मांग है कि वर्तमान में इस योजना की आपूर्ति और रखरखाव की व्यवस्था एक स्व-सहायता समूह के पास है, जो पूरी तरह निष्प्रभावी साबित हो रहा है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस योजना का संचालन स्व-सहायता समूह से वापस लेकर ग्राम पंचायत को सौंप दिया जाए, ताकि पानी की नियमित और सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

गोफन-लाठियां लेकर आई भीड़ पर भारी पड़ा सरकारी अमला

गुना। वन विभाग की जमीन को कब्जा मुक्त कराने गई प्रशासनिक टीम पर अतिक्रमणकारियों द्वारा गोफन, लाठी और डंडों से हमला कर व्यवधान डालने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हालांकि, प्रशासन की सुनियोजित तैयारी और भारी पुलिस बल के आगे उपद्रवियों की एक न चली और वे मौके से भाग खड़े हुए। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन और एसडीएम राघौगढ़ अमित सोनी के नेतृत्व में पांच जेसीबी मशीनों की मदद से आखिरकार 120 बीघा शासकीय वन भूमि को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त करा लिया गया है। यह बड़ी कार्रवाई वन परिक्षेत्र मकसूदनगढ़ के बीट खेरखेड़ा (कक्ष क्रमांक 780) में अंजाम दी गई। इस भूमि पर वर्ष 2023 से 11 अतिक्रमणकारियों ने अवैध कब्जा कर रखा था। पूर्व में वन विभाग के बीट गार्ड को जान से मारने की धमकी भी दी जा चुकी थी। आज जब टीम कब्जा हटाने पहुंची, तो अतिक्रमणकारियों ने लाठी-डंडे और गोफन (पत्थर फेंकने वाले पारंपरिक हथियार) से हमला कर टीम को खदेड़ने का हिंसक प्रयास किया।

लेकिन मौके पर मुस्तैद 100 वनकर्मियों, 80 पुलिस जवानों और 15 प्रशासनिक अधिकारियों के संयुक्त बल ने स्थिति को बिगड़ने से पहले ही संभाल लिया। सुरक्षा बल की प्रभावी मौजूदगी देखकर हमलावर पीछे हटने पर मजबूर हो गए।

जेसीबी से ढहाया अतिक्रमण

अतिक्रमणकारियों के भागते ही टीम ने पांच जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध कब्जे को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस बड़ी कार्रवाई के दौरान उपवन मंडल अधिकारी इंदर सिंह धाकड़, तहसीलदार मकसूदनगढ़ डॉ. उदय सिंह जाटव, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट कमल सिंह कोली, रेंजर धर्मेन्द्र शर्मा, रेंजर सौरभ द्विवेदी, थाना प्रभारी मनोज मेहरा और चौकी प्रभारी रवि भिलाला सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा। प्रशासन ने बताया कि कब्जा मुक्त कराई गई इस 120 बीघा भूमि पर पर्यावरण संरक्षण और वन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए अब व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया जाएगा।

कांग्रेस पार्षद रामवीर जाटव पर तलवार से जानलेवा हमला

नवभारत न्यूज

गुना। कैंट थाना क्षेत्र के हड्डीमील स्थित वार्ड क्रमांक 21 में मंगलवार को एक जमीन विवाद के मामले में पारदी समुदाय के कुछ लोगों ने कांग्रेस पार्षद रामवीर जाटव के साथ बुरी तरह मारपीट कर डाली। घटना में पार्षद गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों और क्षेत्रवासियों को जैसे ही मामले की भनक लगी, वे लहूलुहान हालत में पार्षद को लेकर सीधे एसपी कार्यालय पहुंचे। हालांकि पार्षद का आरोप है कि उनकी सुनवाई नहीं हुई और अधिकारियों ने पहले मेडीकल परीक्षण कराने की सलाह देकर वापस लौटा दिया।

जानकारी के अनुसार, विवाद की जड़ एक दिन पुरानी है। सोमवार को पार्षद रामवीर जाटव ने बलवीर सहरिया नाम के एक स्थानीय व्यक्ति की मदद की थी, जिसकी जमीन पर पारदी समुदाय के कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा था। पार्षद ने बलवीर के साथ जाकर प्रशासन को आवेदन दिलवाया था। मंगलवार को सुबह लगभग साढ़े 11 बजे यह विवाद तब और गहरा गया, जब रामवीर जाटव को सूचना मिली कि पारदी समुदाय के लोग बलवीर सहरिया की उसी जमीन पर जबरन ट्रैक्टर चला रहे हैं।

जब पार्षद बीच-बचाव करने और मामला शांत कराने पहुंचे, तो आरोपियों ने उन पर हमला बोल दिया। गंभीर रूप से घायल पार्षद रामवीर जाटव ने एसपी को आपबीती सुनाते हुए आरोप लगाया कि पारदी समुदाय के हमलावरों ने उन पर सीधे तलवार से वार किया। इस दौरान आरोपियों ने उनके साथ लूटपाट की वारदात को भी अंजाम दिया।

दस्तक अभियान : कार्यकर्ताओं को मिला प्रशिक्षण

गुना। विकासखंड चांचौड़ा के सभी छह स्वास्थ्य सेक्टरों में आगामी दस्तक अभियान के सफल संचालन हेतु आशा कार्यकताओं का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। डॉ. सौम्या बाजपेयी ने बताया कि आशा कार्यकर्ता ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य विभाग की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जिनकी भूमिका विभागीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में बेहद अहम है। यह विशेष दस्तक अभियान 14 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक संचालित किया जाएगा।

कांग्रेस की साइकिल यात्रा को लेकर गुना में रणनीति तैयार

जयवर्धन सिंह के नेतृत्व में जुटेंगे कार्यकर्ता

गुना। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश के युवाओं और छात्रों की समस्याओं को पुरजोर तरीके से उठाने के लिए इंदौर से भोपाल तक साइकिल यात्रा निकाली जा रही है। राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री निवास के घेराव के साथ इस यात्रा का समापन होगा। इसी राज्यव्यापी आव्हान के तहत गुना जिले से भी बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पूर्व मंत्री व विधायक जयवर्धन सिंह के नेतृत्व में इस आंदोलन में शामिल होने जा रहे हैं।

गुना जिले से साइकिल यात्रा की तैयारियों और कार्यकर्ताओं की भागीदारी को लेकर सोमवार को गायत्री मंदिर के समीप स्थित बमौरी विधायक इंजीनियर ऋषि अग्रवाल के कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में यात्रा की सफलता और रूट को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर मौजूद कांग्रेस के शहर अध्यक्ष रजनीश शर्मा ने तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश नेतृत्व और जयवर्धन सिंह के मार्गदर्शन में गुना जिले का हर कार्यकर्ता मुस्तैद है। गुना के सभी ब्लॉकों से कांग्रेस कार्यकर्ता अलग-अलग टोलियों में अपनी साइकिलों के साथ भोपाल पहुंचेंगे और मुख्य यात्रा का हिस्सा बनेंगे। बैठक में तय रणनीति के अनुसार, गुना जिले के तमाम कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का एकत्रीकरण 15 जुलाई को दोपहर 2 बजे होगा। यहां से सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर जयवर्धन सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री निवास भोपाल के घेराव के लिए कूच करेंगे। बैठक में बमौरी विधायक इंजी. ऋषि अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हादसा शिक्षिका की सूझबूझ से बची दो किशोरों की जान; बीच सड़क पर राख हुई गाड़ी

कैंट रोड पर चलती स्कूटी बनी आग का गोला

गुना। कैंट क्षेत्र में मंगलवार शाम लगभग 4 बजे एक बड़ा हादसा टल गया। हीराबाग क्षेत्र से गुजर रहे दो किशोरों की चलती स्कूटी में अचानक भीषण आग लग गई। गनीमत यह रही कि उसी समय वहां से गुजर रही एक स्कूल शिक्षिका की नजर स्कूटी से उठती लपटों और धुआं पर पड़ गई, जिन्होंने तत्परता दिखाते हुए दोनों बच्चों को समय रहते आगाह कर दिया। शिक्षिका की इसी सजगता के चलते दोनों किशोर सुरक्षित बच गए। जानकारी के अनुसार, सोनी कॉलोनी निवासी छात्र मनन शर्मा अपने साथी के साथ स्कूटी क्रमांक एमपी 08 एमवाय 3096 से सिंगवासा तालाब की ओर घूमने जा रहे थे। जब वे हीराबाग क्षेत्र से गुजर रहे थे, तभी प्राथमिक विद्यालय हरिपुर में पदस्थ शिक्षिका मंजू शर्मा निवासी गोविंद गार्डन, कैंट स्कूल की छुट्टी के बाद अपने घर लौट रही थीं। स्कूटी के पिछले हिस्से से आग की लपटें और धुआं निकलता देख शिक्षिका मंजू शर्मा ने तुरंत दोनों बच्चों को चिल्लाकर आगाह किया और गाड़ी रोकने को कहा। दोनों किशोर आनन-फानन में स्कूटी से नीचे उतरे। शिक्षिका ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को भी इसकी सूचना दी। स्कूटी रुकते ही उसमें भीषण आग भड़क उठी, जिससे सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। दोनों बच्चों ने सड़क किनारे पड़ी बजरी और धूल डालकर आग बुझाने की मशक्कत शुरू की। स्थानीय दुकानदार और राहगीर भी पानी लेकर दौड़े, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई। दमकलकर्मियों ने पानी की बौछारें कर आग बुझाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन पेट्रोल गाड़ी होने के कारण आग इतनी तेजी से फैली कि महज कुछ ही मिनटों में स्कूटी सबके सामने जलकर राख के ढेर में तब्दील हो गई। छात्र ने बताया कि उनकी स्कूटी मात्र दो से तीन साल पुरानी थी। आशंका जताई जा रही है कि इंजन या वायरिंग में कोई तकनीकी खराबी आने या चूहे द्वारा वायर कुतर दिए जाने से शॉर्ट सर्किट हुआ होगा, जिससे यह हादसा हुआ। हादसे के बाद शिक्षिका मंजू शर्मा ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि गाड़ी पूरी तरह जल गई, लेकिन इस बात की बेहद खुशी है कि दोनों बच्चे पूरी तरह सुरक्षित हैं।

डॉक्टर की लापरवाही से मासूम का हाथ हुआ बेकार 8 महीने से न्याय के लिए भटक रहा लाचार पिता

नवभारत न्यूज

गुना। जिले के सिविल अस्पताल आरोन में पदस्थ चिकित्सक की घोर लापरवाही का एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है। ग्राम उनारसीकलां निवासी राजेश अहिरवार मंगलवार को अपने मासूम बेटे को गोद में लेकर कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में पहुंचे। आँखों में आंसू लिए पीड़ित पिता ने कलेक्टर से गुहार लगाई कि या तो आरोपी डॉक्टर उनके बेटे का पूरा इलाज करवाएं या फिर उन पर तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए।

यह मामला 22 नवंबर 2025 का है, जब राजेश ने अपने बेटे को सर्दी-जुकाम और खांसी होने पर डॉ. महेश राजपूत के घर पर फीस देकर दिखाया था। आरोप है कि डॉक्टर की मौजूदगी में उनके असिस्टेंट ने बच्चे को एक इंजेक्शन लगाया, जिसके तुरंत बाद बच्चे के पूरे हाथ में गंभीर इन्फेक्शन फैल गया। लापरवाही का आलम यह है कि पिछले 8 महीनों से बच्चा असहनीय दर्द झेल रहा है। विशेषज्ञ डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्चे के हाथ की प्लास्टिक सर्जरी करानी होगी, क्योंकि उसकी उंगलियां पूरी तरह काम करना बंद कर चुकी हैं। पीड़ित पिता पिछले 8 महीने से न्याय के लिए भटक रहा है, लेकिन अब तक दोषी चिकित्सक पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।